Dainik Bhaskar (Indore), 19th December 2010, City Bhaskar, Page-1

तैयार है आधुनिक वर्चुअल क्लास

आईआईटी इंदौर देगा देशभर के तकनीकी संस्थानों को ऑनलाइन लेक्चर, नए सेमेस्टर से होगी शुरुआत

आईआईटी इंदौर से अब देश के सभी तकनीकी संस्थानों में ऑनलाइन एजुकेशन दी जा सकेगी। करीब एक करोड़ रुपए की लागत से संस्थान में आधुनिक वर्चुअल क्लास बनाई गई है। नेशनल इन्फॉर्मेशन सेंटर (एनआईसी) ने इसे देश की सबसे आधुनिक क्लास माना है। नए सेमेस्टर से इसकी शुरुआत होने जा रही है।

जेन्द्र [illegible] र्मा »

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने सभी आईआईटीज को विश्वभर के तकनीकी संस्थानों से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट तैयार किया था। इसमें इंदौर आईआईटी ने देश में सबसे पहले आधुनिक वर्चुअल क्लास रूम बनाने में बाजी मार ली है। एनआईसी के अधिकारी भी यहां का मुआयना कर चुके हैं और उन्होंने इसे अत्याधुनिक माना है।

आम स्टूडेंट्स भी कर सकता है एक्सेस
ऑनलाइन लेक्चर सिर्फ आईआईटीज के स्टूडेंट्स और फैकल्टीज तक ही सीमित नहीं रह जाएंगे। एक महीने बाद देश के सभी क्लास रूम का उद्घाटन होते ही आम स्टूडेंट्स और फैकल्टीज को भी इंटरनेट आईपी एड्रेस दे दिया जाएगा। इससे घर बैठे लेक्चर सुने और देखे जा सकते हैं। वर्चुअल लेक्चर क्लास रूम जैसा सेटअप रखने वाले इंस्टिट्यूट्स के साथ भी आईआईटी समझौते करेगा।

ऐसी होगी क्लास। बड़ी प्रोजेक्ट स्क्रीन के साथ होंगी तीन 120 इंच की एलसीडी

माइक लगाने की जरूरत नहीं- वर्चुअल क्लास रूम में एक समय में 80 स्टूडेंट्स ऑनलाइन एजुकेशन ले सकते हैं। लेक्चर सुनने के साथ ही सवाल-जवाब भी कर सकते हैं। रीयल क्लास का अहसास कराने के लिए एक प्रोजेक्ट स्क्रीन और तीन 120 इंच की एलसीडी टीवी लगाई गई है। सवाल पूछने के लिए किसी भी स्टूडेंट्स को माइक पकड़ने की जरूरत नहीं होगी। पूरे एरिया में हाई फ्रिक्वेंसी माइक लगाए गए हैं।

हाई डेफिनेशन क्वालिटी- ऑनलाइन वर्चुअल क्लास के ऑडियो-वीडियो रीयल स्पीड में सभी सेंटर्स पर प्रसारित हो इसके लिए हाईफाई इंटरनेट कनेक्शन लिया गया है। इसके लिए अलग से फायबर ऑप्टीकल केबल आईआईटी कैम्पस तक पहुंचाई गई है। एक जीबी की स्पीड हमेशा बनाए रखने के लिए आईआईटी में अलग से कंट्रोल और सर्वर रूम बनाया गया है। सभी यंत्रों को जोड़ने के लिए हाई डेफिनेशन इक्यूपमेंट का उपयोग किया गया है जिससे हजारों किलोमीटर दूर भी क्वालिटी 100 फीसदी बनी रहेगी।

अगले सेमेस्टर से होगी शुरुआत- वर्चुअल स्टूडियो के टेक्निकल असिस्टेंट नवीन सिंह ठाकुर ने बताया वेबकेम, मॉडम और रिसीवर इक्यूपमेंट बाहर से मंगाए गए हैं। रीयल क्लासरूम का लुक देने के लिए डिजिटल बोर्ड स्क्रीन लगाई जा रही है। इसमें फैकल्टीज कम्प्यूटर स्क्रीन और वायरलेस पैन से बोर्ड का उपयोग कर सकते हैं।

नहीं निकली कमी

30 अक्टूबर को एनआईसी अधिकारी वर्चुअल क्लास रूम का मुआयना करने आए थे। हर तरह की जांच करने के बाद उन्होंने इसी आधार पर देश के अन्य आईआईटी में ऑनलाइन क्लास बनाने को कहा है।

डॉ. एन.के. जैन, वर्चुअल क्लास प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर, आईआईटी इंदौर

ऑनलाइन होगी प्रशासनिक प्रक्रिया

देशभर के आईआईटीज में वर्चुअल क्लास रूम अनिवार्य किए गए हैं। इससे समय बचेगा और स्टूडेंट्स को बेहतर नॉलेज मिलेगा। आईआईटीज इसका उपयोग एजुकेशन तक ही सीमित नहीं रखेंगे बल्कि प्रशासनिक प्रक्रिया मीटिंग, टेंडर, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी इसके जरिए ही करेंगे।

दयानंद शाह, टेक्निकल डायरेक्टर, एनआईसी